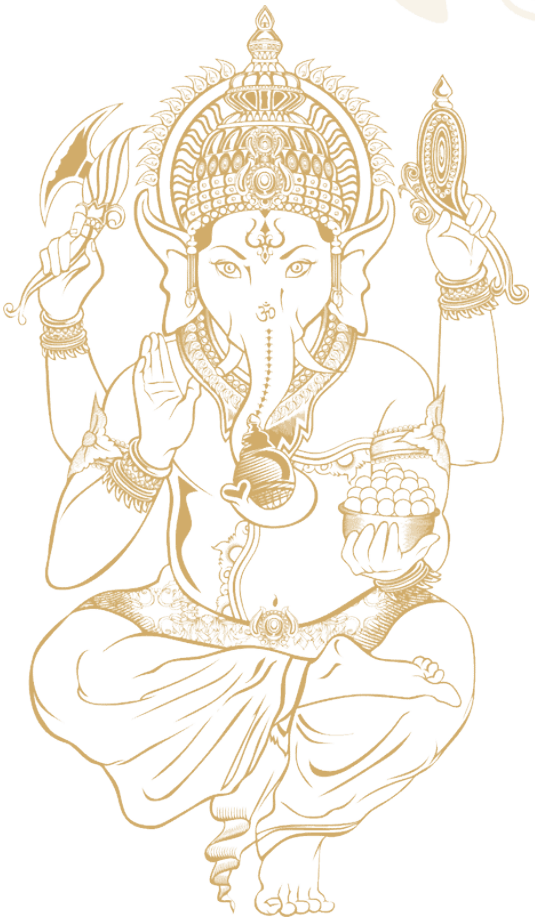

?????

04 Jun 1991

04:30 PM

Modinagar

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/06/1991**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:30:00 घंटे**
इष्ट	27:53:26 घटी
स्थान	**Modinagar**
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:10:48 घंटे
वेलान्तर	00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:21 घंटे
सूर्योदय	05:20:37 घंटे
सूर्यास्त	19:14:23 घंटे
दिनमान	13:53:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:35:51 वृष
लग्न के अंश	15:27:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गेंदा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:27:46	308:32:09	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	19:35:51	00:57:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	05:56:58	12:16:15	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	11:30:47	00:35:25	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध			वृष	05:01:15	01:55:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	15:48:36	00:09:48	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	04:38:37	01:01:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	12:49:56	00:01:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	25:41:56	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	25:41:56	00:01:15	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:13:19	00:02:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:28:59	00:01:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:34:06	00:01:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	18:53:01	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:29

लग्न-चलित

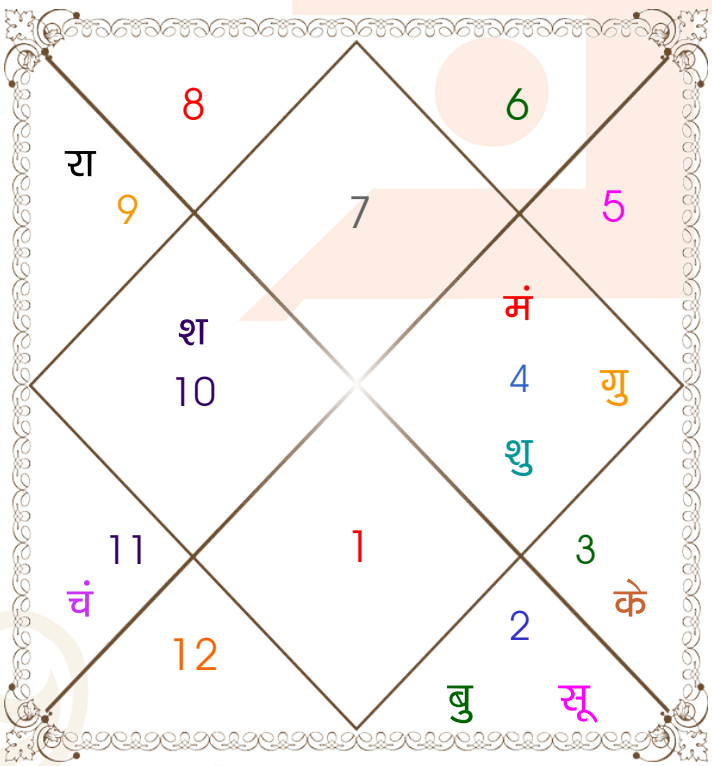

चन्द्र कुंडली

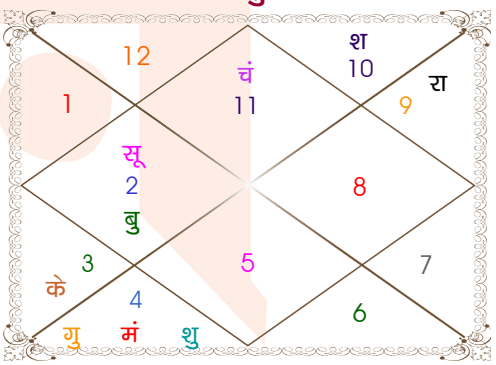

नवमांश कुंडली

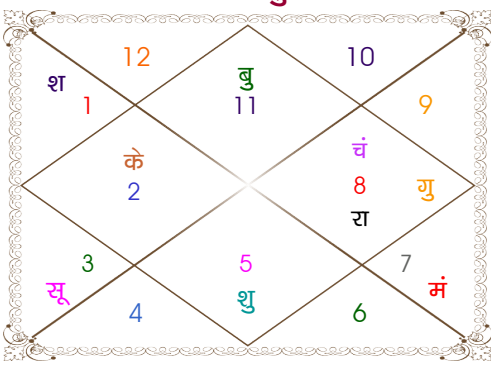

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 4 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/06/1991		20/10/1991		19/10/2009		19/10/2025		19/10/2044	
20/10/1991		19/10/2009		19/10/2025		19/10/2044		19/10/2061	
	00/00/0000	राहु	02/07/1994	गुरु	07/12/2011	शनि	22/10/2028	बुध	18/03/2047
	00/00/0000	गुरु	24/11/1996	शनि	20/06/2014	बुध	02/07/2031	केतु	14/03/2048
	00/00/0000	शनि	01/10/1999	बुध	25/09/2016	केतु	10/08/2032	शुक्र	13/01/2051
	00/00/0000	बुध	20/04/2002	केतु	01/09/2017	शुक्र	11/10/2035	सूर्य	19/11/2051
	00/00/0000	केतु	08/05/2003	शुक्र	02/05/2020	सूर्य	22/09/2036	चंद्र	20/04/2053
	00/00/0000	शुक्र	08/05/2006	सूर्य	18/02/2021	चंद्र	23/04/2038	मंगल	17/04/2054
	00/00/0000	सूर्य	02/04/2007	चंद्र	20/06/2022	मंगल	02/06/2039	राहु	03/11/2056
	04/06/1991	चंद्र	01/10/2008	मंगल	27/05/2023	राहु	08/04/2042	गुरु	09/02/2059
चंद्र	20/10/1991	मंगल	19/10/2009	राहु	19/10/2025	गुरु	19/10/2044	शनि	19/10/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/10/2061		19/10/2068		19/10/2088		19/10/2094		20/10/2104	
19/10/2068		19/10/2088		19/10/2094		20/10/2104		05/06/2111	
केतु	17/03/2062	शुक्र	18/02/2072	सूर्य	06/02/2089	चंद्र	20/08/2095	मंगल	18/03/2105
शुक्र	17/05/2063	सूर्य	18/02/2073	चंद्र	07/08/2089	मंगल	20/03/2096	राहु	06/04/2106
सूर्य	22/09/2063	चंद्र	19/10/2074	मंगल	13/12/2089	राहु	19/09/2097	गुरु	13/03/2107
चंद्र	22/04/2064	मंगल	20/12/2075	राहु	07/11/2090	गुरु	19/01/2099	शनि	20/04/2108
मंगल	19/09/2064	राहु	19/12/2078	गुरु	26/08/2091	शनि	20/08/2100	बुध	18/04/2109
राहु	07/10/2065	गुरु	19/08/2081	शनि	07/08/2092	बुध	20/01/2102	केतु	14/09/2109
गुरु	13/09/2066	शनि	19/10/2084	बुध	13/06/2093	केतु	21/08/2102	शुक्र	14/11/2110
शनि	23/10/2067	बुध	20/08/2087	केतु	19/10/2093	शुक्र	20/04/2104	सूर्य	22/03/2111
बुध	19/10/2068	केतु	19/10/2088	शुक्र	19/10/2094	सूर्य	20/10/2104	चंद्र	05/06/2111

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।